भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 261

गुरूवार, 3 फरवरी, 2022/14 माघ, 1943 (शक)

देश में बेरोजगारी दर

261. श्री विशम्भर प्रसाद निषादः
श्री राम नाथ ठाकुरः
श्रीमती छाया वर्माः
चौधरी सुखराम सिंह यादवः

क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर 2021 में देश में बेरोजगारी दर बढ़कर 7.9 प्रतिशत हो गई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य और क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) दिसम्बर, 2021 के दौरान शहरी और ग्रामीण बेरोजगारी दर का ब्यौरा क्या है; और

(घ) देश में बेरोजगारी दर में वृद्धि के क्या कारण हैं?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) से (घ): सरकार ने अप्रैल, 2021 में अखिल भारतीय संस्थान आधारित त्रैमासिक रोजगार सर्वेक्षण (एक्यूईईएस) प्रारंभ किया है। जुलाई से सितंबर 2021 की अवधि हेतु त्रैमासिक रोजगार सर्वेक्षण (क्यूईएस) के दूसरे दौर के परिणाम के अनुसार, अर्थव्यवस्था के चयनित नौ क्षेत्रों में रोजगार बढ़कर 3.10 करोड़ हो गया जो कि छठी आर्थिक जनगणना (2013-14) में बताए अनुसार इन क्षेत्रों में कुल 2.37 करोड़ के मुकाबले, क्यूईएस के पहले दौर (अप्रैल-जून, 2021) में 3.08 करोड़ था। चयनित नौ क्षेत्रों में अनुमानित कुल रोजगार में, विनिर्माण का हिस्सा लगभग 39% है, इसके बाद शिक्षा 22% और स्वास्थ्य के साथ-साथ आईटी / बीपीओ दोनों क्षेत्रों में लगभग 10% है। व्यापार और परिवहन क्षेत्रों ने कुल अनुमानित श्रमिकों का क्रमशः 5.3% और 4.6% लगाया।

वार्षिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) की रिपोर्ट के अनुसार, देश में वर्ष 2017-18, 2018-19 एवं 2019-20 के दौरान 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की सामान्य स्थिति आधार पर बेरोजगारी की दर क्रमशः 6.0%, 5.8% एवं 4.8% थी। वर्ष 2019-20 के दौरान ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में बेरोजगारी का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा अनुबंध पर दिया गया है।

*****

अनुबंध

राज्य सभा के दिनांक 03-02-2022 के अतारांकित प्रश्न संख्या 261 के भाग (ख) एवं (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

2019-20 के दौरान 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के सामान्य स्थिति के आधार पर बेरोजगारी दर का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण (पीएलएफएस)

(% में)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण + शहरी
आंध्र प्रदेश	3.9	6.8	4.7
अरुणाचल प्रदेश	6.3	9.0	6.7
असम	7.8	8.7	7.9
बिहार	4.7	8.6	5.1
छत्तीसगढ	2.3	8.8	3.3
दिल्ली	2.0	8.8	8.6
गोवा	7.6	8.4	8.1
गुजरात	1.4	3.0	2.0
हरियाणा	6.3	6.5	6.4
हिमाचल प्रदेश	3.4	5.9	3.7
झारखंड	3.1	9.7	4.2
कर्नाटक	2.7	6.9	4.2
केरल	9.7	10.4	10.0
मध्य प्रदेश	1.7	6.9	3.0
महाराष्ट्र	2.4	4.4	3.2
मणिपुर	9.2	10.2	9.5
मेघालय	1.1	10.9	2.7
मिजोरम	4.2	7.7	5.7
नागालैंड	25.8	25.7	25.7
ओड़िशा	6.0	7.7	6.2
पंजाब	7.1	7.5	7.3
राजस्थान	3.2	9.0	4.5
सिक्किम	2.0	2.9	2.2
तमिलनाडु	5.0	5.8	5.3
तेलंगाना	5.2	10.2	7.0
त्रिपुरा	2.8	4.6	3.2
उत्तराखंड	6.5	9.1	7.1
उत्तर प्रदेश	3.1	8.8	4.4
पश्चिम बंगाल	4.4	5.1	4.6
अंडमान और एन द्वीप	12.8	12.4	12.6
चंडीगढ़	9.9	6.1	6.3
दादर और नगर हवेली	1.0	5.0	3.0
दमन और दीव	3.2	2.8	2.9
जम्मू और कश्मीर	5.2	13.0	6.7
लद्दाख	0.0	1.0	0.1
लक्षद्वीप	10.7	14.7	13.7
पुदुचेरी	7.6	7.6	7.6
अखिल भारत	**3.9**	**6.9**	**4.8**

स्रोत: वार्षिक रिपोर्ट पीएलएफएस, 2019-20; सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय।